

**समयनुसार ही खुलता रहेगा सराफा बाजार**

कानपुर, 16 जून। प्रशासन द्वारा निर्धारित दिन व समय के अनुसार ही शहर का सराफा बाजार खुलता रहेगा। दरअसल शहर में सराफा व्यवसाय को बंद रखने के सम्बंध में धूम फैल गया है कि बाजार 30 जून तक बंद रहेगा। लेकिन ज्यादातर सराफा संगठनों ने साफ कर दिया है कि वह अपने बाजारों को बंद नहीं करेंगे। प्रशासन ने जो दिन व समय तय किया है वह उसी के अनुसार दुकान खोलते रहेंगे। कानपुर के प्रमुख सराफा बाजार नयागंज, बिरहाना रोड, चौक सराफा, धोबी मोहल्ल, गोविंद नगर, लालबंगला, पी रोड, गुमटी नंबर -5, नयागंज, किदवई नगर आदि सहित कानपुर नगर के समस्त सराफा बाजार जिला अधिकारी कानपुर नगर के निर्धारित दिवस मंगलवार गुरुवार एवं शनिवार को खुलेंगे। सभी क्षेत्रीय सराफा कमेटीयों ने अपनी-अपनी प्रेम विज्ञापि जारी कर बताया है कि उनके बाजार जैसे खुल रहे थे वैसे ही खुलते रहेंगे। बाजार को बंद रखने की जानकारी पूरी तरह से गलत है। श्री कानपुर सराफा कमेटी, श्री सराफा कमेटी धोबी मुहल्ल, उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन, बिरहाना रोड सराफा व्यापार मण्डल सहित अन्य संगठनों के पदाधिकारियों ने बताया कि बाजार खुलने का समय 11 बजे से 6 बजे तक निर्धारित किया गया है।



रानीघाट : गंगा में जाता सीवर का गंदा पानी।

**कहते हैं जिम्मेदार**

रानी घाट में वाटर सप्लाई वाले पाइप लाइन डाल रहे हैं। जिसके कारण पम्पिंग स्टेशन को बंद किया गया है। बैरोघाट के लिए 1400 एमएम की पाइप लाइन डाली जा रही है। जिसके कारण नाला ओवर फ्लो है।

हरीश कुमार कंसल, महाप्रबंधक जल निगम

बैराज से लेकर भैरोघाट तक 1861 मीटर के लिए पाइप लाइन डाली जा रही है। लागत बढ़ने के कारण शासन को दुबारा एस्टीमेट भेजा गया है। इस कार्य में लगभग 8 से 10 दिन लग सकते हैं।

राम चरण पल, अधीक्षण अभियंता, जल निगम (जलापूर्ति विभाग)

**गंगा जल में 'विष' घोल रहा रानीघाट नाला**

**पाइप लाइन डालने के कारण पम्पिंग स्टेशन बंद**

कानपुर, 16 जून। लोकडाउन के दौरान प्रदूषण से मुक्त हुई गंगा अनलॉक वन में फिर मैली होने लगी है। गंगा जल को स्वच्छ रखने वाले मछलियों का शिकार तक बंद नहीं हुआ। डीएम को आदेश कागजों तक ही सिमट कर रह गए। उधर नमामि गंगे ने गंगा में रानी घाट का नाला गिराकर गंगा जल में विष घोलने के काम से बाज नहीं आया। नमामि गंगे के तहत गंगा को निर्मल करने के लिए अब तक अरबों रुपये खर्च हो चुके हैं। फिर पतित पावनी नालों के दूषित पानी से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकी है। वहीं लापरवाही का आलम यह है कि जल निगम का बिना कोई सटीक कार्य योजना न बनाने के चलते पाइप लाइन डालने के कार्य में देरी हो रही है। गंगा में कई जगह घाटों के आस-पास छोटे नाले गिर रहे। पुराना कानपुर वाई में रानी घाट के किनारे बसी बस्तियों का सीवर नाले के पम्पिंग स्टेशन बनाने के बाद भी गंगा में नालों का गिरना लगातार जारी है। यह दृश्य गंगा को साफ करने के दावों पर सवाल खड़े कर रहा है। वहीं बताते चले कि पिछले साल ही 14 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानपुर में नमामि गंगे मिशन की समीक्षा की थी। जिसके तहत सीसामऊ नाले से लेकर गंगा बैराज तक अधिकारियों ने सभी नाले और सीवर लाइन की मरम्मत करते

हुए युद्ध स्तर पर चर्माचर्म कर दिया था। लेकिन जल्दबाजी से किये गए कार्य ने बारिश होते ही अपना रंग दिखा दिया। बस्तियों में सीवर लाइन कनेक्शन तो जोड़ दिया गया, लेकिन पानी कनेक्शन पर किसी का ध्यान नहीं दिया। साथ ही सीवर लाइन में भी अब दिक्कत सामने आ रही है। फिलहाल यहां पाइप लाइन कनेक्शन को लेकर खुदाई चालू है। जिसके चलते प्रतिदिन गंगा की कोख में लाखों लीटर नालों का पानी जा रहा है। वहीं बैराज से लेकर भैरोघाट तक 1861 मीटर की पाइप लाइन डाली जा रही है। जहां पहले इसकी लागत 10.14 करोड़ थी। लेकिन अब बढ़कर 15.71 करोड़ हो गई है। जिसके चलते जल निगम ने शासन को एस्टीमेट भी भेजा है। वार्ड 13 पुराना कानपुर का अधिकांश क्षेत्र गंगा के किनारे है। यहां स्थित तिवारी घाट, मछुआनगर, सावल दास घाट, सरजूपुरवा, रानी का बगीचा समेत कई बस्तियां शामिल हैं। खुदाई के कारण पम्पिंग स्टेशन के कार्य न करने से सीवर नाली में बढ़ावा जा रहा है। बस्तियों में लगभग 30 हजार आबादी रहती है।



नाले से गिरता दूषित पानी।

**लागत 10.14 करोड़ से बढ़कर 15.71 करोड़ हुई**

**63 हेक्टेयर में लगेंगे बाग, मिलेगी सब्सिडी**

योजना के लिये 66 लाख की धनराशि स्वीकृत

कानपुर, 16 जून। बागवानी को बढ़ावा देने के लिये निशुल्क पौधे उद्यान विभाग मुख्यालय फलोद्यान योजना के तहत 63 हेक्टेयर में आम, उपलब्ध करायेगा। इसमें किसानों को तकनीकी जानकारी के अमरूद, नींबू के बाग लगाने को मंजूरी मिल गयी है। लिये ट्रेनिंग भी दी जायेगी। योजना में की जाने वाली योजना में किसानों को न सिर्फ पौधे दिये जायेंगे बल्कि उनके खातों में तीन साल तक सब्सिडी भी दी जायेगी। योजना के लिये 66 लाख की धनराशि स्वीकृत की गयी है। पहले फलोद्यान योजना में जिले में 40 हेक्टेयर की बागवानी प्रस्तावित थी। अब शासन ने इसे 63 हेक्टेयर में मंजूरी दी है। योजना के तहत जिले में 2 हेक्टेयर में आम, 26 हेक्टेयर में अमरूद, 35 हेक्टेयर में नींबू की बागवानी का लक्ष्य है। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति, पट्टा धारक, सामान्य वर्ग के किसानों को प्रोत्साहित किया जायेगा। इसी तरह अमरूद के पौधे 277 प्रति हेक्टेयर पर 91325 रुपये व नींबू पर 400 पौधे प्रति हेक्टेयर पर 118385 रुपये की सब्सिडी दी जानी है।

**प्रवासी मजदूरों को मिलेगा रोजगार**

कानपुर, 16 जून। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संगठन को और अधिक मजबूत कर अपनी ताकत बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संगठन को ताकत से ही आज हम लोग सरकार में हैं। सभी कार्यकर्ता एक मोती के समान हैं और एक एक मोती से ही यह माला बनी है। सपा बसपा कांग्रेस सभी बेचैन है क्योंकि जो काम पिछले 60 वर्षों की सरकारें नहीं कर पाई वो काम मोदी सरकार ने केवल 6 वर्ष में ही कर दिखाए। 2022 के चुनावों में जीत के लिए अभी से काम कर तैयारी शुरू करनी है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को शहर के जनप्रतिनिधियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर कोरोना संक्रमण के दूषित की गई व्यवस्थाओं व विकास कार्यों के

**विस चुनाव की करें तैयारी**



पार्टी के पदाधिकारियों को निर्देश देते डिप्टी सीएम केशव मौर्य।

कानपुर, 16 जून। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संगठन को और अधिक मजबूत कर अपनी ताकत बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संगठन को ताकत से ही आज हम लोग सरकार में हैं। सभी कार्यकर्ता एक मोती के समान हैं और एक एक मोती से ही यह माला बनी है। सपा बसपा कांग्रेस सभी बेचैन है क्योंकि जो काम पिछले 60 वर्षों की सरकारें नहीं कर पाई वो काम मोदी सरकार ने केवल 6 वर्ष में ही कर दिखाए। 2022 के चुनावों में जीत के लिए अभी से काम कर तैयारी शुरू करनी है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को शहर के जनप्रतिनिधियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर कोरोना संक्रमण के दूषित की गई व्यवस्थाओं व विकास कार्यों के

**डिप्टी सीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दिया संदेश**

संबंध में जानकारी ली। डिप्टी सीएम ने 21 जून को विश्व योग दिवस होने पर इसको शारीरिक दूरी बनाये रखते हुए और निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विश्व योग दिवस को सफल बनाना को कहा। उन्होंने कहा 23 जून को डॉ० रमया प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस है। इसे भी हमें सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखते हुए मनाना है। बिना मास्क व फेस कवर के घर से बाहर न निकले। बाजारों में सड़कों पर भीड़ न बढ़ाएं। अनुशासन में कमी या लापरवाही से कोरोना के खिलाफ

**मोदी के काम से विपक्षी बेचैन, रैली में सोशल डिस्टेंसिंग की भी फिर**

हम सबकी लड़ाई कमजोर होगी। हम जितनी जल्दी कोरोना को बढ़ने से रोक पाएंगे उतनी ही जल्दी हमारे देश की अर्थव्यवस्था ठीक होगी। नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। आने वाले दिनों में इकोनॉमिक एक्टिविटी बढ़ेगी। बैंकों से भी राहत देने का भरपूर प्रयास चल रहा है। किसान समृद्ध होंगे तो डिमांड बढ़ेगी। डिमांड बढ़ेगा तो मार्केटिंग और प्रोसेसिंग क्षेत्र मजबूत होगा और इकोनॉमी बढ़ेगी। वहीं जनप्रतिनिधियों ने कुछ समस्याएं भी रखी जिनका समुचित समाधान करने का उन्होंने

आश्वासन दिया। वर्चुवल बैठक के दौरान परिवहन राज्य मंत्री;स्वतंत्र प्रभार अशोक कटारिया ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शहर के भाजपा पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए आगामी 21 जून को योग दिवस पर 23 जून को डॉ० रमया प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस पर 27 जून को विशाल जनसंवाद रैली की तैयारियों की जिलाध्यक्ष से डॉ० वीना आर्या पटेल से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि 21 व 23 जून को होने वाले कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखा जाये। 27 जून को कानपुर और अवध प्रांत की होने वाली वर्चुअल विशाल जन संवाद रैली की तैयारी में कार्यकर्ताओं को जुट जाए। लगभग 10 लाख से ज्यादा लोगों के जोड़ने का लक्ष्य देते हुए उन्होंने कहा इस रैली को केंद्रीय मंत्री स्मृति इंदानी शाम 5 से 6 बजे तक संबोधित करेंगी। जिले में व सभी मंडलों में पांच पांच स्मार्टफोन चलाने वाले परिपक्व कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया की जिम्मेदारी दें सभी कार्यकर्ता सोशल मीडिया के फेसबुक एक्टिवटर इंस्टाग्राम आदि सभी साधनों का प्रयोग करते शहरी एवं ग्रामीणों को अधिक से अधिक लोगों को इस रैली से जोड़ने का प्रयास करें। कॉन्फ्रेंसिंग में प्रमुख रूप से महापौर प्रमिला पांडे प्रबंध मिश्रा शिवराम सिंह ज्ञान मिश्रा सरन तिवारी आईटी विभाग के अमित मिश्रा आदि मौजूद रहे।

**पनकी मंदिर में अब कूटनीतिक चालें**

**ट्रस्ट और महंत पद पर एक साथ 'दौड़'**

साथ श्राइन बोर्ड से भी शुरू हो गया। श्राइन बोर्ड में मंदिर के महंत कृष्णदास ही शामिल हैं। जिन्हें महंत जितेंद्र दास विवादित मानते हैं। हनुमान मंदिर को श्रद्धालुओं से होने वाली आय का पैतृक संपत्ति की तरह बटवारा हो रहा है। जिसके हॉथ जो लग रहा है वही लेकर भाग रहा है। महंत सुरेश दास कल तक महंत जितेंद्र दास के साथ थे लेकिन अब महंत के विपक्षियों के साथ हैं। उनके

**आगे निकलने की होड़, योजना बिखरने का डर**

हॉथ भी एक कमर लैट्रिन बाथरूम लग गया है और चढ़ावे की रकम से 10 प्रतिशत का लॉलीपॉप भी दिया गया है। इस विवाद में अयोध्या के श्री राम जन्म भूमि न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास को भी शामिल कर लिया गया है। भक्तगण पनकी मंदिर को टुकड़ों में बटवारा होता देखकर आहत हैं कि मानो यह सार्वजनिक नहीं, लावारिस जागीर है। इस पर कूटनीतिक चालों से कब्जा करने की कोशिशें हो रही हैं। भक्तों की गाढ़ी कमाई की

लूट खसोट की जा रही है। यह भक्तों को भले आहत कर रहा हो, लेकिन महंतों और ट्रस्ट बनाकर मंदिर को विकास का जामा पहनाने वाले लोगों को नहीं। महंत जितेंद्र दास का साफ कहना है कि यह किसी के पिता की संपत्ति नहीं है जिसका बटवारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सार्वजनिक, धार्मिक और लोगों की आस्था से जुड़ा पवित्र हनुमान मंदिर है। उनकी लड़ाई इसे

पैतृक संपत्ति बनाने की कोशिश करने वालों से है। उधर महंत जितेंद्र दास व श्राइन बोर्ड के वार्ता का सच महंत नृत्य गोपाल दास की डीएम को लिखी गई विज्ञप्ति के रूप में सामने आया है। इस पर श्राइन बोर्ड के ट्रस्टी व मीडिया प्रभारी राम जी त्रिपाठी का कहना है कि महंत नृत्य गोपाल दास ने यदि जिलाधिकारी को पत्र लिखा है तो उसकी प्रति श्राइन बोर्ड को भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए तभी वह किसी बात का साफ जवाब दे सकेगा।

**पेशाब नियंत्रित न होने पर कई दिक्कतें संभव, रहें सतर्क**



डा. वी.के. मिश्रा

कानपुर, 16 जून। महिलाओं अथवा पुरुषों में यदि पेशाब नियंत्रित नहीं हो रही हो या फिर छूट जाती हो तो कई दिक्कतें संभव हैं। इसलिये सतर्क रहने की जरूरत है। यह जानकारी वर्ल्ड इन्फॉर्मेशन डे पर जानकारी देते हुए कानपुर यूरोलॉजी सेंटर ब्रह्मनगर के यूरोलॉजिस्ट डा. वी.के. मिश्रा ने बताया कि महिलाओं एवं पुरुषों में अक्सर पेशाब नियंत्रित नहीं रहती है। खांसने व बोलने में पेशाब अक्सर छूट जाती है। यह समस्या मधुमेह, गुदरोग, प्रॉस्टेट, रीढ़ की हड्डी में चोट, स्ट्रोक एवं अन्य समस्याओं की वजह से हो सकती है। उन्होंने बताया कि महिलाएं अक्सर इन्फॉर्मेशन की समस्या पर ध्यान नहीं देती। जबकि पुरुषों में यह समस्या अधिकतर प्रॉस्टेट की वजह से होती है। इसलिये इस बीमारी का देवार सतर्क रहने की आवश्यकता है। उक्त समस्याओं का देवारों एवं सर्जिकल प्रोसीजरस के जरिये इलाज संभव है। डा. मिश्रा ने बताया कि कानपुर यूरोलॉजी सेंटर में 15 से 22 जून के बीच उक्त बीमारियों से ग्रस्त रोगियों का चेकअप होगा व चर्चयित रोगियों की रियायती दरों पर सर्जरी की जायेगी।

**कानपुर यूरोलॉजी सेंटर में वर्ल्ड इन्फॉर्मेशन डे पर 22 तक कैम्प**

**गैंगरेप के आरोपी गिरफ्तार**

कानपुर, 16 जून। गोविंद नगर में एक दलित किशोरी से गैंगरेप के मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों आरोपी गुजनी आई ब्लॉक निवासी धीरज ठाकुर उर्फ हनी व ताल्याटोपे नगर निवासी दोस्त सुधांशु विश्वकर्मा मंगलवार देर रात अपने-अपने घर जा रहे थे। दोनों को घेरकर पकड़ लिया गया।

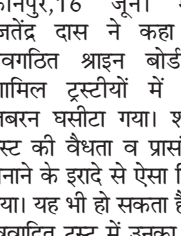
www.advancecolleges.org  
**ADVANCE**  
 INSTITUTE OF BIOTECH & PHARMACEUTICAL SCIENCES  
 ADVANCE COLLEGE OF EDUCATION  
**ADMISSIONS OPEN**  
**B.PHARM** Approved By PCI  
**M.PHARM** AKTU  
**D.PHARM** AICTE  
 G.T. ROAD, NARAMAU, KANPUR  
**9415040326**  
**8081050445**

**परमार्थ सेवा ट्रस्ट बनाम श्राइन बोर्ड**

बोर्ड में केवल विवादित 'महंत' आमने-सामने परमार्थ सेवा ट्रस्ट सार्वजनिक हो



कानपुर, 16 जून। महंत जितेंद्र दास ने कहा कि नवगठित श्राइन बोर्ड में शामिल ट्रस्टीयों में उन्हें जबरन घसीटा गया। शायद ट्रस्ट की वैधता व प्रासंगिक बनाने के इरादे से ऐसा किया गया। यह भी हो सकता है की विवादित ट्रस्ट में उनका नाम घोषित कर उन्हें भी विवादित करने का कुत्सित प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि श्राइन बोर्ड में विवादित महंत कृष्णदास के अतिरिक्त सभी बाहरी हैं जो किसी न किसी के रिश्तेदार हैं। अचानक मंदिर के प्रति इतनी हमदर्दी उमड़ना भी इन्हें संदेह के घेरे में लाता है। उन्होंने कहा कि जब 2010 से परमार्थ सेवा ट्रस्ट मंदिर के विकास में सक्रिय है तो श्राइन बोर्ड की आवश्यकता ही नहीं है।



कानपुर, 16 जून। श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर श्राइन बोर्ड के ट्रस्टी व मीडिया प्रभारी राम जी त्रिपाठी ने कहा कि परमार्थ सेवा ट्रस्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं है। वह नहीं जानते की सार्वजनिक स्थल के लिए बनाया गया ट्रस्ट के सदस्य व गतिविधियां छुपाकर क्यों रखी गई हैं। यह ट्रस्ट महंत जितेंद्र दास के कथित साफनियत पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि उनके ट्रस्ट में किसी के परिवार का कोई ट्रस्टी नहीं है। जबकि परमार्थ सेवा ट्रस्ट एक बंद किताब है। उनका बोर्ड उस ओपन डायरी की तरह है जिसे कभी भी कोई पढ़ सकता है। इस बोर्ड में महंत पद पर तस्वीर साफ है। कोई विवादित नहीं है।



कानपुर, 16 जून। श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर श्राइन बोर्ड के ट्रस्टी व मीडिया प्रभारी राम जी त्रिपाठी ने कहा कि परमार्थ सेवा ट्रस्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं है। वह नहीं जानते की सार्वजनिक स्थल के लिए बनाया गया ट्रस्ट के सदस्य व गतिविधियां छुपाकर क्यों रखी गई हैं। यह ट्रस्ट महंत जितेंद्र दास के कथित साफनियत पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि उनके ट्रस्ट में किसी के परिवार का कोई ट्रस्टी नहीं है। जबकि परमार्थ सेवा ट्रस्ट एक बंद किताब है। उनका बोर्ड उस ओपन डायरी की तरह है जिसे कभी भी कोई पढ़ सकता है। इस बोर्ड में महंत पद पर तस्वीर साफ है। कोई विवादित नहीं है।

**बालक दास डीएम को आज सौंपेंगे अयोध्या की पाती**

कानपुर, 16 जून। अयोध्या के श्री मणिग्राम दास छवनी से सोमवार को जारी पत्र जिलाधिकारी डॉ. ब्रह्मदेवराम तिवारी को पनकी मंदिर के पुजारी बालक दास द्वारा सौंपा जाएगा। यह पत्र श्री राम जन्म भूमि न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने अपने हाथों से जिलाधिकारी को लिखा है। खास बात यह है की श्राइन बोर्ड से महंत जितेंद्र दास के विद्रोह करने के बाद बालक दास भी भूमिगत हो गए और अज्ञात स्थान से बचानावाजी करते रहे। बुधवार को वह सीधे जिलाधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे और महंत नृत्य गोपाल दास का मेल द्वारा अयोध्या से भेजे गए पत्र की मूलप्रति सौंपेंगे। महंत जितेंद्र दास ने बताया कि वह मंगलवार को ही अयोध्या के लिए रवाना हो चुके हैं इसलिए उनकी जिम्मेदारी अब बालक दास निभाएंगे। उन्होंने कहा कि मंगलवार को पनकी मंदिर में अधिक व्यस्तता के चलते वह जिलाधिकारी को महंत नृत्य गोपाल दास का पत्र नहीं दे पाए।



मंदिर में अधिक व्यस्तता के चलते वह जिलाधिकारी को महंत नृत्य गोपाल दास का पत्र नहीं दे पाए।

**मंदिर किसी की जागीर नहीं**

महंत जितेंद्र दास ने कहि खरी-खरी

कानपुर, 16 जून। पनकी के दस के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोलोकवासी होते ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में बटवारे से दुखी महंत जितेंद्र दास ने दो टूक कहा कि हनुमान मंदिर को किसी के पिता की जागीर नहीं हो सकता है। इस तरह पैतृक संपत्ति का बटवारा किया जाता है जिस तरह व गाँव और अवैध श्राइन बोर्ड कर रहा है। मंदिर को लेकर कूटनीतिक चाले चली जा रही हैं। लोगों के बीच तोड़फोड़ की राजनीति हो रही है कि तुम यह ले लो और तुम वह ले लो। इस तरह तो जागीर के बटवारे हुआ करते हैं। अभी तक सब कुछ ठीक चल रहा था ब्रह्मलीन महंत रमाकांत दास के गोल